for it. Our information is, there are no agents.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मन्त्री महोदय ने पहले जो उत्तर दिया था उसमें इस संभावना को स्वीकार किया था कि इस तरीके के एजेंट हो सकते हैं मगर उन्हें पता नहीं है लेकिन अब उलटी बात कह रहे हैं कि इस तरीके के एजेंट हो नहीं सकते ; मन्त्री महोदय यह कह सकते हैं कि वह जांच करेंगे और जो तथ्यों का पता लगेगा उस से वह सदन को अवगत करेंगे ।

SHRI B. R. BHAGAT : I can look into it, but as I said, we have no information that there are any agents.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अब उन्हें जानकारी नहीं है तो कैसे कह सकते हैं कि कोई एजेंट नहीं है । मन्त्री महोदय कहें कि वह इस बारे में जांच कराकर जानकारी इकट्ठा करेंगे ।

श्री कंवर लाल गुप्त : अध्यक्ष महोदय, आप मन्त्री महोदय के खिलाफ प्रीविलेज मोशन ऐक्सैप्ट कीजिये । हम इनके खिलाफ देंगे ।

SHRI SURENDRANATH DWIVEDY: What is his reply to the specific question whether he will enquire and place the information before the House ?

SHRI B. R. BHAGAT : I will have to get this information from all their representatives. I will try to get it.

SHRI MANUBHAI PATEL : Due to the faulty method of this transaction, there is an actute feeling in India that Ram-Ram is becoming Mara-Mara and Stalin-Lenin is becoming Ram-Ram in India. This is substantiated by the fact that a major bulk of the transaction is carried on with the East European countries at the cost of other European countries. May I know whether it is a fact that transactions with the East European block are to the tune of 70 per cent of the total transactions ?

SHRI B. R. BHAGAT : 70 per cent of the total transaction with whom ?

SHRI MANUBHAI PATEL : With the whole world.

SHRI B. R. BHAGAT : I do not have the comparative figures now.

Import of Raw Materials from USSR

\+

* 422. SHRI SITARAM KESRI :
SHRI A. SREEDHARAN

Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state :

(a) whether the Soviet Union has agreed to export more raw materials to India in view of the latter's changed pattern of requirements and if so, the main terms of the agreement ;

(b) how far the imports of raw materials from the Soviet Union into India are likely to increase during the forthcoming year *vis-a-vis* those during the previous year ; and

(c) the main items of raw materials to be imported and how far the import of each item is likely to increase as a result of this agreement ?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI B. R. BHAGAT) : (a) and (b). Under the arrangements for mutual exchange of commodities for the year 1969, the proportion of raw materials to the total quantum of imports from U. S. S. R. represents an increase compared to the corresponding proportion for 1968. This is in consonance with India's changing pattern of import requirements.

(c) Main items of raw materials to be imported are :—

(a) Platinum, (b) Asbestos, (c) Newsprint, (d) Wood-pulp, (e) Dye-intermediates and (f) Raw materials for pharmaceuticals.

श्री सीताराम केसरी : मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जो कच्चा माल हम रूस से अपने ट्रेड बैलेन्स के ऐगेंस्ट में मंगाते हैं तो जिस कीमत पर हम उसे मंगाते हैं वह कीमत दूसरे देशों के मुकाबले कम है या ज्यादा है ? यदि ज्यादा हो तो क्या मैं समझूं कि ट्रेड

बैलेन्स के दबाव के कारण या चूंकि हमको रुपया वसूल करना है, लेना है अपने ट्रेड बैलेंस का जोकि माल अपना हम भेजते हैं तो उस दबाव के कारण क्या हम दूसरे देशों के भाव के मुकाबले ज्यादा कीमत में लेते हैं या उसी भाव में लेते हैं ?

श्री ब० रा० भगत : दूसरे देशों के भाव मुकाबले में नहीं लेते हैं। चूंकि उनका कोई टेंडर नहीं होता और निगोशिएटेड बेसिस पर लेते हैं और बहुत सा रा-मेटिरियल है जिसका कि दूसरी जगहों से मिलना भी सम्भव नहीं है जैसे कि जिंक है और लैड है और वह उनसे निगोशिएटैड भाव पर लेते हैं तो उससे भाव ऊंचा भी होता है और नीचा भी होता है।

श्री सीताराम केसरी : मैंने पूछा कि जो चीजें हम रूस से मंगाते हैं उन चीजों की कीमत दूसरे देशो के बाजार की कीमत के मुकाबले में ज्यादा लेते हैं या कम लेते हैं ?

श्री ब० रा० भगत : मैंने कहा कि भाव ऊंचे, नीचे दोनों होते हैं। अब डिटेल में बतलाने के लिये तो अलग अलग भावों की तफसील बतलानी पड़ेगी लेकिन जैसा मैंने कहा कि वह कीमत ऊंची भी होती है और नीची भी होती हैं। जैसा मैंने कहा यह अलग-अलग चीजों पर निर्भर है और यदि माननीय सदस्य इसके लिये अलग से सूचना दें तो मैं उन्हें हरएक चीज की तफसील इकट्ठा करके दे दूंगा।

श्री सीता राम केसरी : में जानना चाहूँगा कि विदेशों से जो हम रा मैटीरियल मंगाते हैं उसके लिये आप कोई अपनी एजेंसी प्राइवेट सैक्टर वालों को इंपोर्टर बहाल करते हैं ट्रेड की बेसिस पर एस० टी० सी० के जरिये या गवर्नमेंट की ट्रेड के जरिये किस ढंग से आप करते हैं यह मैं जानना चाहता हूं ?

श्री ब० रा० भगत : वह जो स्पेयर रा मैटीरियल हैं जिनकी कि बहुत जरूरत होती है वह हम एस० टी० सी० के जरिए खरीदते हैं। इसके अलावा कुछ एंटरप्राइजेज हैं जिनको उनकी जरूरत की चीजें दे दी जाती हैं, लेकिन ज्यादातर नीति यह है कि रा मेटीरियल का ज्यादा से ज्यादा इम्पोर्ट एस० टी० सी० के द्वारा होता है।

SHRI LOBO PRABHU : This country has an appalling foreign debt of Rs. 5,000 crores and it is calculated that every new-born infant has a debt of Rs. 100 hung round its neck. In such a situation, our trade with Soviet Russia has involved that country in a debt of Rs. 61 crores to us during the last three years. I would like to know two thing from the Government. Firstly, how are they going to recover this adverse balance of Rs. 61 crores when the commodities mentioned by the Minister come no where near cancelling these debts ? Secondly, could we have an assurance from this government that as long as there is a deficit like that we should tailor our trade and reduce our exports to that country, because when we give credit to that country we are antagonising other countries which are giving credit to us, which are saying why should they lend to us when we are ourselves lending to the Soviet Union ?

SHRI B. R. BHAGAT : One way of rectifying this adverse balance with the Soviet Union is that next year we try to plan for larger exports.

SHRI SRADHAKAR SUPAKAR : May I know whether most of our trade with USSR is of a barter nature? Secondly, may I know whether any comparison has been made of the prices of raw materials which we are importing from USSR and other countries of the world so that we know which is cheaper ?

SHRI B. R. BHAGAT : We do have comparison of prices and, as I said, they very from case to case. Sometimes they are higher and sometime they are lower.

SHRI SURENDRANATH DWIVEDY : Sir, could you hear the reply ? We could not hear a word.

MR. SPEAKER : He said that before they enter into purchases they consider the comparative figures of prices obtaining in different countries.

श्री शिव चन्द्र झा : मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में कहा कि हमारी जरूरतें कुछ ऐसी हो रही है जिनके कारण वहां से कुछ रा मैटीरियल्स का मांगना हमारे लिये जरूरी होता जा रहा है क्योंकि वह और जगह उपलब्ध नहीं हैं। मैं जानना चाहता हूं कि जो रा मैटीरियल हम रूस से मंगायेंगे या जो वह इंडिया को एक्सपोर्ट करेंगे, उसके लिये जो पेमेंट होगा वह रुपी पेमेंट होगा या कुछ बार्टर का अरेंजमेंट है जिसके अन्तर्गत यहां से भी रा मैटीरियल जायेगा। यदि हम रा मैटीरियल देंगे तो वह किस प्रकार का रा मैटीरियल होगा ?

श्री ब० रा० भगत : उनसे जो पेमेंट अरेंजमेंट है वह रुपी पेमेंट का है और जो ट्रेड पैक्ट हम अगले साल का कर रहे हैं उसमें हमारे यहां से जो निर्यात होगा उनके द्वारा उनका पेमेंट होगा। इस तरह से बेलेंस होता है। इसके बाद जो बैलेंस रह जाता है उसका रूपी पेमेंट होगा।

श्री शिव चन्द्र झा : आप कौन-से रा मैटीरियल भेजेंगे। क्या आपकी बारगेनिंग में यह भी है कि यह रा मेटीरियल आप भेजेंगे और यह रा मैटीरियल आप लेंगे। कम से कम मुख्य-मुख्य चीजें तो बतला दीजिये।

श्री ब० रा० भगत : इसके लिये सूचना चाहिए।

श्री मु० अ० खां : अभी मन्त्री महोदय ने सवालों के जवाब में बतलाया कि यू० एस० एस० आर० से जो रा मैटीरियल इम्पोर्ट होता है उसके लिये कभी ऊंची कीमत दी जाती है और कभी नीची कीमत दी जाती है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या रा मैटीरियल की कुछ ऐसी चीजें भी हैं जिनके लिये हम यू० एस० एस० आर० को ज्यादा कीमत देते हैं जबकि दूसरी जगहों से वह हमको कम कीमत पर मिल सकती हैं ? अगर ऐसा है तो क्या वजह है कि हम ज्यादा कीमत देकर वहां से उनको खरीदते हैं ?

श्री ब० रा० भगत : ऐसा है कि जो चीजें हमको कम कीमत में मिल सकती हैं और हमारे पास फ्री फारेन एक्सचेंज हैं, तो हम उन को वहां से नहीं खरीदेंगे। हम वहां से तभी खरीदते हैं जब उनका मिलना दुर्लभ होता है और हमारे पास फ्री फारेन एक्सचेंज नहीं होता है।

श्री मु० अ० खां : मैंने यह सवाल किया है कि अगर यू० एस० एस० आर० से ज्यादा कीमत पर कोई चीज मिलती है, और दूसरी जगह से कम कीमत पर मिलती है, तो ज्यादा कीमत पर लेने की क्या वजह है ?

SHRI RANGA : Because he happens to be a Congressman it does not mean that a Congress Minister is not expected to give a reply in the House. That was a very relevant question in which the whole House is interested. Why does he not give areply to that ?

SHRI B. R. BHAGAT : I have replied to that. If you want, I can repeat it.

SHRI RANGA : I am prepared to give the answer, he says You did not insist upon his giving an answer.

MR. SPEAKER : He says, "If you want, I can repeat the answer."

SHRI RANGA : I am sorry, he did not give a reply.

SHRI B. R. BHAGAT : The question was that if we can get a particular raw material at a cheaper price from somewhere else, why we should purchase it from the Sovit Union. I answered that if some raw material which we need is available at a lower price and if we have free foreign exchange to pay, we generally go in for that. We take that into consideration But

when we neither have free foreign exchange nor cheaper raw material available from some other country, we go to the Soviet Union.

श्री ओम प्रकाश त्यागी : अभी मन्त्री महोदय ने कहा कि हमको कुछ ऊंची कीमत पर भी रूस का माल खरीदना पड़ता है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या कभी ऐसी परिस्थिति भी आती है कि जब रूस को भी अपना कच्चा माल हम दूसरे देशों के बाजारों की अपेक्षा अधिक कीमत पर लेने को विवश करते हैं।

दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या इस में कोई सच्चाई है कि रूस हमारे यहां से माल खरीद कर दूसरे देशों को भेजता है ?

श्री ब० रा० भगत : दूसरे कंट्रीज को रूस हमारा माल नहीं भेजता। हमारे उन के ट्रेड ऐग्रीमैंट में यह क्लाज है कि वह हमारे माल को दूसरी जगह रि-एक्सपोर्ट नहीं करेंगे। जहां तक पहले हिस्से का सम्बन्ध है, यह इस पर निर्भर करता है कि वह किस प्रकार का माल है। हमारे पास यदि कोई स्केअर्स माल है, जैसे कापर, लेड और जिंक, यदि उन की उस को बहुत ज्यादा जरूरत है, तो नैचुरली हमारी बारगेनिंग पावर बढ़ जाती है। यह मामूली व्यापार का जो तरीका होता है उसी तरह से होता है।

SHRI B. SHANKARANAND : The hon. Minister has given us the impression that for foreign trade and commercial relations the commission agency system is indispensable. He has also given us an impression that when important items are imported from the USSR into this country, the rates can be high and low. In view of these facts may I know on what basis these rates are fixed ? There is the commission agency system ; I do not know whether political parties in this country are behind it. But in view of the commission agency system and in view of the low rates of commodities which could be imported from other countries, on what basis are the rates fixed ?

SHRI B. R. BHAGAT ; As for the inevitability of the commission agency system, I have never said that it is inevitable. What I have said is that we are progressively trying to bring in the STC and other corporate organisations into the trade. To abolish it overnight or say that there will be no commission agencies or private trade, there are practical difficulties. That is what I said ; I never said that they are inevitable.

As for the fixation of price, I said that when we negotiate the price for each item even with the Soviet Union we take into consideration the world price. In trying to strike a bargain we keep it as an argument with them.

As I have said, in certain cases, where the raw material is scarce, where the source of supply is one and when we cannot go to any other source because of lack of free foreign exchange, we have to agree on a price which is higher in certain cases.

Involvement of Chinese Embassy in Internal Affairs of the Country

*423. SHRI HEM BARUA : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 269 on the 19th February, 1969 and state :

(a) whether the involvement of the Chinese Embassy in India in the internal affairs of the country is in contravention of the diplomatic convention in this regard ; and

(c) if so, the steps taken by Government in the matter ?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DINESH SINGH) : (a) Yes Sir.

(b) The Chinese Embassy in New Delhi has been firmly cautioned to warn all its members to refrain from interfering in India's internal affairs.

SHRI HEM BARUA : May I know whether it is not a fact that China has lodged a very strong protest with this Government of "anti-China atrocity"—I might put it within inverted commas—and accused the Indian Government of instigating a peaceful demonstration that took place on